CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 ◘ अंक- 138 ◘ रायपुर, गुरुवार 11 जून 2025 ◘ पृष्ठ-8 ◘ मूल्य- 2.50 रुपया ● रायपुर ● जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

अहमदाबाद में 242 यात्रियों से भरा बड़ा विमान हादसा

लंदन जा रहे थे 242 यात्री सवार थे रिहायशी इलाके में दुर्घटना से हड़कंप सब हुआ धुआं-धुआं

नई दिल्ली, 12 जून (न्यूज चैनल)। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार (12 जून) की दोपहर एयर इंडिया के पैसेंजर विमान बोइंग 737 क्रैश हो गया है। जिसकी डरावनी तस्वीरें सामने आ रही हैं. अहमदाबाद के मेघानीनगर इलाके में आग की बड़ी-बड़ी लपटें देखी गईं. वहीं, काले धुएं का गुबार दूर से ही देखा जा सकता है. इस विमान में 242 यात्री सवार होने की जानकारी भी मिल रही है। बचाव एवं राहत जारी है। दमकल गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुट गई हैं.

शुरुआती जानकारी के अनुसार, सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट में यह दर्दनाक हादसा हुआ है. हालांकि, माना जा रहा है कि एयरपोर्ट की बाउंड्री से लगकर यह विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है. शुरुआती तस्वीर जो सामने आई है, विमान का पिछला हिस्सा किसी चीज से टकराया था, जिसके कारण यह हादसा हुआ. विमान में भयंकर आग लग गई है. सब धुआं-धुआं हो गया है. उसमें देखा जा सकता है कि विमान के परखचे उड़ गए हैं. राहत और बचाव कार्य जारी है. तस्वीर में दिख रहा है कि विमान का एक विंग टूटकर गिर गया है. दमकल कर्मी पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं. फिलहाल, आग पर कुछ हद तक काबू पा लिया गया है. विमान एयरपोर्ट से टेकऑफ कर रहा था, जब यह हादसा हुआ था.यह विमान एयर इंडिया का ही बताया जा रहा है.

प्लेन में गुजरात के पूर्व सीएम भी थे!

सूत्रों के अनुसार अहमदाबाद से लंदन जा रहे विमान मे 242 यात्रियों के साथ गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी सवार थे। राज्य में गुजरात बीजेपी के तमाम कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात सीएम से बात की

अहमदाबाद में एयर इंडिया का प्लेन क्रैश होने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विमान दुर्घटना के संबंध में गुजरात के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और पुलिस कमिश्नर से बात की है। उन्होंने केंद्र सरकार की सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया है।

छत्तीसगढ़ में फाइव-डे वर्किंग सिस्टम होगा खत्म, मुख्यमंत्री ने दिये संकेत

रायपुर, 12 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में फाइव डे वर्किंग सिस्टम खत्म हो सकता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस व्यवस्था को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि फाइव डे वर्किंग को खत्म करने पर विचार करेंगे, और यह भी बताया कि अधिकारी-कर्मचारी खुद 6 दिन कार्य दिवस करने की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर जल्द फैसला लिया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने यह बात मंगलवार को राजधानी रायपुर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित संकल्प से सिद्धि अभियान के शुभारंभ अवसर पर कही। यह कार्यक्रम केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री साय ने मोदी सरकार की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज विश्व में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। उन्होंने अनुच्छेद 370 और ट्रिपल तलाक खत्म करने, गरीबों और किसानों के लिए योजनाएं, और महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में किए गए प्रयासों को ऐतिहासिक बताया।

उन्होंने यह भी कहा कि पिछली सरकार ने गरीबों के आवास छीन लिए थे, जबकि उनकी सरकार ने 18 लाख नए आवासों की स्वीकृति दी है। 70 लाख महिलाओं को एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है, वहीं भूमिहीन कृषि मजदूरों को भी लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने नक्सलवाद को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त हो सकता है। हमारी सुरक्षाबल और जवान पूरे जोश और उत्साह के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। सीएम साय ने बहुचर्चित पीएससी घोटाले पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए, और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

ब्रेकिंग न्यूज

छग में गौठानों का संचालन शुरू करने सरकार से करेंगे चर्चा : विनायक

रायपुर, 12 जून (हाईवे चैनल)। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव संजय विनायक जोशी छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं. वे बलौदाबाजार में आयोजित समृद्ध भारत सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं. इस दौरान जोशी ने मीडिया से चर्चा करते हुए अपने कार्यक्रमों की जानकारी साझा की. उन्होंने हाल ही सरकार ने गौशालाओं का नाम गौधाम करने का फैसला लिया है, जिसकी उन्होंने सराहना की. वहीं पूर्वर्ती कांग्रेस सरकार में शुरू की गई गौठानों के संचालन करने कांग्रेस की मांग पर उन्होंने सरकार से चर्चा करने की बात कही. बता दें कि प्रदेश में गौ वंश सड़क हादसे के शिकार होते रहे हैं. इस घटना पर रोकथाम लगाने के लिए गौठानों को फिर से शुरू करने की मांग उठती रही है. इस पर भाजपा नेता विनायक जोशी ने सरकार से बातचीत करने की बात कही है.

खालिस्तान समर्थक ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़

नई दिल्ली, 12 जून (न्यूज चैनल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा जाने वाले हैं। इससे पहले, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की सरकार ने भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल खालिस्तानियों को पकड़ने के लिए %प्रोजेक्ट पेलिकन% नाम का एक अभियान चलाया है, जिसके तहत कनाडा की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खालिस्तान समर्थक ड्रग और आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। कनाडा की पुलिस ने प्रोजेक्ट पेलिकन के तहत अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है, जिसके तहत पुलिस ने 479 किलो कोकीन जब्त की है। इसकी कीमत करीब 47.9 मिलियन डॉलर है।

बिरादरी की बात

चूहा- सुनती हो, लक्ष्मण सिंह 6 वर्ष के लिए कांग्रेस से निष्कासित हो गए।
चुहिया- हां जी, दिग्विजय सिंह भी तो अब बार-बार गमठा फटक रहे हैं।

अतिशेष प्राचार्य-व्याख्याताओं की मंत्रालय में हो रही राज्य स्तरीय काउंसिलिंग, हाथों-हाथ दे रहे पदस्थापना आदेश

रायपुर, 12 जून (हाईवे चैनल)। शैक्षिक युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत इन्द्रावती भवन के सभा कक्ष में आज राज्य स्तरीय काउंसिलिंग हो रहा है. प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 108 अतिशेष प्राचार्य एवं व्याख्याताओं की काउंसिलिंग के बाद डीपीआई ऋतुराज रघुवंशी पदस्थापना आदेश प्रदान कर रहे हैं. काउंसिलिंग कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे हुआ. समस्त संभागीय संयुक्त संचालकों को पहले ही लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा निर्देशित किया गया था कि वे संबंधित अधिकारियों एवं शैक्षिक कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें. काउंसिलिंग उपरांत लोक शिक्षण संचालनालय संचालक ऋतुराज रघुवंशी द्वारा शिक्षकों को व्यक्तिगत रूप से पदस्थापना आदेश सौंपे गए. इस दौरान रघुवंशी ने शिक्षकों से अपेक्षा जताई कि वे अपने नवीन कार्यस्थलों पर तत्परता और निष्ठा के साथ कार्य करें, ताकि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके. शैक्षिक युक्तियुक्तकरण की यह प्रक्रिया न केवल शिक्षकों के समुचित वितरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि इससे दूरस्थ एवं आवश्यक शैक्षणिक संस्थाओं में विषय विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी.

अवैध रेत खनन का विरोध करने पर युवक को मारी गोली, आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस टीम को घेरा

राजनांदगांव, 12 जून (हाईवे चैनल)। रेत माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे विरोध करने वालों पर खुलेआम जानलेवा हमला करने से भी नहीं डर रहे। ताजा मामला राजनांदगांव के मोहड़ गांव (वार्ड क्रमांक 49) का है, जहां अवैध रेत उत्खनन का विरोध करने पर माफियाओं ने एक युवक पर गोली चला दी और दो अन्य ग्रामीणों के साथ मारपीट की। गोली युवक रोशन मंडावी के गले को छूते हुए निकल गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही अन्य दो घायलों का भी इलाज जारी है।

रेत माफियाओं का आतंक

घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बन गई है। आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस की गाड़ियों को रोककर जमकर नारेबाजी की और रेत चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं मौके पर पुलिस बल को तैनात किया गया है और स्थिति को नियंत्रण में करने का प्रयास जारी है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मोहड़ के पास स्थित शिवनाथ नदी में लंबे समय से अवैध रूप से रेत का खनन हो रहा था। ग्रामीणों ने कई बार इसकी शिकायत की, लेकिन कोई अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं बुधवार रात कुछ माफिया जब रेत चोरी कर रहे थे, तब गांव के लोगों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसी दौरान माफियाओं ने गोलियां चला दी। एडिशनल एसपी राहुलदेव शर्मा ने बताया कि मोहड़ में रेत निकालने को लेकर विवाद की स्थिति है। गांव में अभी तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। पुलिस बल मौके पर है और अभी स्थिति को नियंत्रण में करने का प्रयास किया जा रहा है। गोली चलने का कोई कन्फर्मेशन नहीं आया है। लेकिन गांव के लोग कह रहे हैं, अभी तक यह चीज स्पष्ट नहीं है। सारी चीजों की जानकारियां ली जा रही है।

युक्तियुक्तकरण का फायदा : धमतरी जिले में एक भी स्कूल शिक्षकविहीन नहीं, सभी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने मिले शिक्षक

धमतरी, 12 जून (हाईवे चैनल)। धमतरी जिले में स्कूलों और शिक्षकों के युतियुक्करण से सबसे ज्यादा फ़ायदा एक शिक्षक वाले स्कूलों को हुआ है। ऐसे 170 स्कूलों में से 133 स्कूलों को अतिरिक्त शिक्षक मिल गए है। दूरस्थ अंचलों में शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय शाला होने से बच्चों की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ रहा था। वह अब शिक्षकों को पदस्थापना से दूर होने जा रहा है। धमतरी जिले में युक्तियुक्तकरण के बाद शिक्षकों की पदस्थापना से बिना टीचर वाले तीन प्राथमिक और चार मिडिल स्कूलों में भी शिक्षकों की पदस्थापना हो गई है इसके साथ ही 111 हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों को गणित तथा विज्ञान विषयों के टीचर भी मिल गए है। इससे इन शालाओं में शैक्षणिक वातावरण बेहतर होगा। राज्य शासन के दिशा-निर्देश में जिले में अतिशेष शिक्षकों के काउंसलिंग की प्रक्रिया पूर्ण होने पश्चात जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में मौजूद शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों को अब न केवल नए शिक्षक मिले है, बल्कि विद्यार्थियों के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा भी सुनिश्चित हुई है। जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र के बच्चों को टीचर्स की कमी के कारण पढ़ाई में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

अब फैलेगा ज्ञान का उजियारा

- जिले के 133 स्कूलों से एकल शिक्षक का दर्जा हटा, हुई अन्य शिक्षकों की नियुक्ति, अब केवल 37 बचे
- 111 स्कूलों को गणित-विज्ञान के शिक्षक मिले
- सात बिना टीचर वाले स्कूलों में भी शिक्षकों की नियुक्ति हुई

जिला प्रशासन ने इसे युक्तियुक्तकरण के माध्यम से दूर करने का काम किया गया है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि जिले के 111 स्कूलों में गणित विज्ञान के शिक्षक नहीं थे, ऐसे स्कूलों में विषय अनुसार टीचर्स नियुक्त किए गए है। युक्तियुक्तकरण से दूरस्थ अंचल जैसे दक्षिण मगरलोड नगरी विकासखंड और डूबान क्षेत्र में शिक्षकों की कमी को पूरा कर समाधान निकाला गया है।

अटंग प्राइमरी स्कूल में 121 बच्चों पर केवल दो टीचर, तीन नए और मिले

विकासखंड कुरुद मुख्यालय से महज 4 किमी की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत अटंग के शासकीय नवीन प्राथमिक शाला प्रेमनगर अटंग में 121 बच्चे अध्ययनरत है। अत्यधिक दर्ज संख्या उपरांत भी विगत वर्षों से केवल दो शिक्षक एक प्रधान पाठक और एक सहायक शिक्षक सहित स्थानीय व्यवस्था में वैकल्पिक शिक्षकों के भरोसे विद्यालय में अध्यपन कार्य संपादित हो रहे थे। अत्यधिक प्रयास के बाद भी बच्चों की पढ़ाई लिखाई में अपेक्षित गुणवत्ता प्राप्त कर पाना कठिन था। जिसके कारण शाला प्रबंधन समिति पदाधिकारियों, सरपंच और पालकों द्वारा शिक्षकों की मांग लगातार की जा रही थी। शासन द्वारा स्कूलों में शिक्षकों के युक्तियुक्करण प्रक्रिया के द्वारा आज विद्यालय में 3 नए सहायक शिक्षकों की पदस्थापना हुई है।

रायपुर में कोरोना के सबसे ज्यादा केस, राज्य में कुल 45 एक्टिव केस

रायपुर, 12 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस एक बार फिर से सिर उठा रहा है। खासकर राजधानी रायपुर में इसके नए वैरियंट जेएन-1 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बुधवार को रायपुर में कोरोना के 3 नए मामले सामने आए, जिससे राजधानी में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है। पूरे राज्य में इस समय कुल 45 एक्टिव केस हैं। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, बीते 22 दिनों में छत्तीसगढ़ में कुल 75 कोरोना पॉजिटिव मरीज सामने आ चुके हैं। इनमें से 30 मरीज ठीक हो चुके हैं, 41 मरीज होम आइसोलेशन में हैं, जबकि 4 मरीजों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

राजधानी रायपुर प्रदेश में सबसे ज्यादा प्रभावित जिला बन गया है, जहां फिलहाल 40 एक्टिव केस हैं। इसके बाद बिलासपुर में 21 और दुर्ग में 10 केस दर्ज किए गए हैं। यह स्थिति राज्य के लिए खतरे की घंटी मानी जा रही है। जेएन-1 वैरियंट के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। विभाग ने लोगों से भीड़-भाड़ से बचने, मास्क पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग जैसे नियमों का पालन करने की अपील की है। संक्रमितों की पहचान और इलाज के लिए मेडिकल टीमें सक्रिय हैं और जमीनी स्तर पर निगरानी की जा रही है। छत्तीसगढ़ में कोरोना का नया वैरियंट जेएन-1 चिंताजनक रफ्तार से फैल रहा है। भले ही मामलों की संख्या अभी कम हो, लेकिन जिस तरह राजधानी में केसों में इजाफा हो रहा है, वह निश्चित रूप से सतर्कता का संकेत है। ऐसे में जरूरी है कि लोग फिर से कोविड प्रोटोकॉल को गंभीरता से अपनाएं और लापरवाही से बचें।

CMYK